Direct seeding of rice and wheat give greater benefits

Dainik Jagran, October 16, 2018

गेहूं की सीधी बुआई से मिलेगा ज्यादा मुनाफा

किसानों को संबोधित करते कृषि वैज्ञानिक • जागरण

पूसा,संस: प्रखंड के सीमावर्ती रघुनाथपुर बेला में कौशल परियोजना के अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस पर किसान संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहगल फाउंडेशन के परियोजना समन्वयक शेष नारायण सिंह ने कहा कि धान फसल के उपरांत गेहूं की सीधी बुआई किसानों के लिए काफी लाभदायक है। सीधी बुआई से किसानों को प्रति एकड़ तीन हजार की बचत होगी।

जीरो टिलेज से बुआई करने पर एक एकड़ में मात्र एक हजार का खर्च आता है। किसानों को फसल अवशेष को खेत में छोड़ देने की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि फसल के अवशेष खेत में उर्वरक का कार्य करता है। बीसा संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. नीलमणि प्रकाश ने कहा कि मौसम के बदलते मिजाज को देखते हुए वैज्ञानिकों के द्वारा विकसित नवीनतम तकनीक का उपयोग करें। साथ ही कृषि यंत्र का ज्याद उपयोग करें। उन्होंने कहा कि कम खर्च में अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को मिट्टी जांच कराना आवश्यक है। इसके उपरांत वैज्ञानिकों की अनुशंसा पर अपने खेतों में उर्वरक का उपयोग करें। किसानों को खेत के अनुसार ही फसल की बुआई करने की सलाह दी। मौके पर दर्जनों किसानों के खेत की मिट्टी जांच की गई। वैज्ञानिकों ने चयनित किसानों के धान की फसल का भी निरीक्षण किया। मौके पर धर्मेंद्र कुमार, राहुल रंजन, मिथिलेश कुमार, अमरनाथ कुमार, अमित कुमार, पंकज कुमार, सत्येंद्र कुमार, प्रभा देवी, रेनू देवी, मीना देवी, कृष्णदेव सिंह समेत दर्जनों किसान मौजूद रहे।

सुझाव

- प्रक्षेत्र दिवस पर किसान संगोष्ठी का हुआ आयोजन
- फसल का अवशेष खेत में उर्वरक का करता है कार्य

Information on agricultural mechanization including direct seeding of rice and wheat and zero tillage was shared with farmers in a meeting conducted under the *Kaushal Krishak* (skilled farmer) project of Sehgal Foundation and Pi Foundation in Bihar.